रेफरेंस फ्यूल

संदर्भ: भारत में पहली बार इंडियनऑयल द्वारा उत्पादित 'रेफरेंस गैसोलीन और डीजल ईंधन' को लॉन्च किया गया।

- इस प्रकार के ईंधन का भारत में पहली बार उत्पादन हुआ, जिससे आयात पर देश की निर्भरता कम होगी और घरेलू ऊर्जा उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।
- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने चार-आयामी ऊर्जा सुरक्षा रणनीति (four-pronged energy security strategy) अपनाई है जिसका लक्ष्य ऊर्जा आपूर्ति में विविधता लाना, अन्वेषण और उत्पादन बढ़ाना, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना और हरित हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को आगे बढ़ाना है।

रेफरेंस फ्यूल

- **रेफरेंस फ्यूल** तरल हाइड्रोकार्बन या तरल हाइड्रोकार्बन का मिश्रण है जिसका उपयोग ईंधन की प्रदर्शन विशेषताओं का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है।
- **रेफरेंस फ्यूल** (गैसोलीन और डीजल) उच्च मूल्य वाले उत्पाद हैं, जिनका उपयोग मुख्य रूप से वाहनों के परीक्षण के लिए किया जाता है।
- **विभिन्न रेटिंग निर्धारित करने के लिए आवश्यक हैं:** एंटीनॉक रेटिंग (ऑक्टेन संख्या और गैसोलीन प्रदर्शन रेटिंग), पिस्टन इंजन ईंधन के लिए सहज दहन रेटिंग (सीटेन संख्या), और गैस टरबाइन ईंधन के लिए लौ तीव्रता रेटिंग (ल्यूमिनोमीटर संख्या)।

रेफरेंस फ्यूल को प्राथमिक और द्वितीयक प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

- प्राथमिक संदर्भ ईंधनों में विशिष्ट मिश्रण शामिल हैं जैसे आइसोऑक्टेन (ऑक्टेन संख्या = 100) और n-हेप्टेन (ऑक्टेन संख्या = 0), सीटेन (सीटेन संख्या = 100) , α-मेथिलनेप्थालीन (सीटेन संख्या = 0), आइसोऑक्टेन (ल्यूमिनेटर संख्या = 100) और टेट्राहाइड्रोनैफथालीन (ल्यूमिनेटर संख्या = 0)।
- प्राथमिक रेफरेंस फ्यूल की उच्च लागत के कारण, अधिक लागत प्रभावी माध्यमिक रेफरेंस फ्यूल का अक्सर उपयोग किया जाता है।
- ऑक्टेन संख्या निर्धारण के लिए, द्वितीयक संदर्भ ईंधन में तकनीकी-ग्रेड आइसोक्टेन (ऑक्टेन संख्या = 98-99) और सीधे चलने वाले गैसोलीन (ऑक्टेन संख्या 68 से कम नहीं) या सफेद स्पिरिट (ऑक्टेन संख्या = 17-27) शामिल हो सकते हैं।
- सीटेन संख्या निर्धारण द्वितीयक संदर्भ ईंधन का उपयोग कर सकता है जिसमें पैराफिन बेस पेट्रोलियम (सीटेन संख्या 55 से कम नहीं) और पायरोलिसिस उत्पादों का अत्यधिक सुगंधित डीजल अंश (सीटेन संख्या 20 से अधिक नहीं) से सीधे चलने वाला डीजल ईंधन शामिल है।
- गैसोलीन प्रदर्शन रेटिंग टेस्ट ईंधन की तुलना संदर्भ ईंधन से करके स्थापित की जाती है, जो शुद्ध तकनीकी-ग्रेड आइसोऑक्टेन या टेट्राएथिल लीड (0.3–0.8 ग्राम प्रति किलोग्राम आइसोऑक्टेन) या n-हेप्टेन (5–10 प्रतिशत मात्रा के अनुसार) के साथ मिश्रण हो सकता है।
- संदर्भ ईंधन इंजन परीक्षण के लिए आवश्यक हैं और प्रदर्शन विशेषताओं का मूल्यांकन करने में मदद करते हैं। वे वाहनों के परीक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय तेल द्वारा पहली बार भारत में संदर्भ ईंधन का उत्पादन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और यह देश की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाएगा।

एक राष्ट्र, एक छात्र आईडी

संदर्भ: कई राज्य सरकारों ने स्कूलों को अनुरोध जारी कर ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (APAAR) नामक एक नया छात्र पहचान पत्र जारी करने के लिए माता-पिता की सहमति प्राप्त करने के लिए कहा।

- **(APAAR) का परिचय**
  - APAAR, स्वचालित स्थायी शैक्षणिक खाता रजिस्ट्री, भारत में छात्रों के लिए बचपन से शुरू होने वाली एक विशिष्ट पहचान प्रणाली है।
  - इसमें प्रत्येक छात्र को एक आजीवन एपीएआर आईडी प्रदान की जाती है, जिससे पूर्व-प्राथमिक शिक्षा से उच्च शिक्षा तक शैक्षणिक प्रगति पर नज़र रखने में सुविधा होती है।
  - यह डिजिलॉकर के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है, जो आवश्यक शैक्षिक दस्तावेजों और उपलब्धियों को संग्रहीत करने के लिए एक डिजिटल भंडार है।
- **एपीएआर प्रस्तुत करने का उद्देश्य**
  - शिक्षा को सुव्यवस्थित करना और भौतिक दस्तावेजों पर निर्भरता कम करना।
  - यह शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का हिस्सा।
  - इसका उद्देश्य साक्षरता दर, स्कूल छोड़ने की दर पर नज़र रखना और राज्य सरकार के प्रदर्शन को सुधारना है।
  - यह शैक्षिक संस्थानों के लिए एक विश्वसनीय संदर्भ की पेशकश करके धोखाधड़ी और डुप्लिकेट शैक्षिक प्रमाणपत्रों का समाधान प्रदान करता है।
  - प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए इसमें केवल प्रथम-पक्ष ही सिस्टम में क्रेडिट जमा कर सकते हैं।
- **APAAR आईडी की कार्यक्षमता**
  - प्रत्येक व्यक्ति को अकादमिक बैंक क्रेडिट (एबीसी) से जुड़ी एक अद्वितीय एपीएआर आईडी प्राप्त होती है, जो उनकी सीखने की यात्रा के दौरान अर्जित क्रेडिट के बारे में जानकारी संग्रहीत करती है।
  - इसमें छात्र औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार की शिक्षा से प्रमाणपत्र और क्रेडिट संग्रहीत कर सकते हैं, जो डिजिटल रूप से प्रमाणित होते हैं और अधिकृत संस्थानों द्वारा सुरक्षित रूप से संग्रहीत होते हैं।
  - जब कोई छात्र स्कूल बदलता है, तो एबीसी में उनका डेटा एपीएआर आईडी साझा करके नए स्कूल में स्थानांतरित कर दिया जाता है, जिससे भौतिक दस्तावेज़ स्थानांतरण की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।
- **पंजीकरण और डेटा संग्रह**
  - इसमें छात्र -नाम, उम्र, जन्मतिथि, लिंग और एक तस्वीर जैसी बुनियादी जानकारी प्रदान करते हैं।
  - जानकारी को उनके आधार नंबर का उपयोग करके सत्यापित किया जाता है, लेकिन इसका उपयोग केवल सत्यापन और नाम और जन्म तिथि के मिलान के लिए किया जाता है।
  - छात्रों के पास एपीएआर आईडी बनाने के लिए शिक्षा मंत्रालय के साथ अपना आधार नंबर और जनसांख्यिकीय जानकारी साझा करने को स्वीकार या अस्वीकार करने का विकल्प है।
  - नाबालिगों के लिए, प्रमाणीकरण के लिए छात्र के आधार नंबर का उपयोग करने के लिए माता-पिता की सहमति आवश्यक है। इसमें पंजीकरण स्वैच्छिक है, अनिवार्य नहीं।

- **एपीएआर से जुड़ी चिंताएं**
  - आधार विवरण साझा करने के संबंध में चिंताएं मौजूद हैं, साथ ही व्यक्तिगत जानकारी के लीक की भी चिंता है।
  - सरकार आश्वासन देती है कि साझा की गई जानकारी को गोपनीय रखा जाएगा और शैक्षिक गतिविधियों में लगी संस्थाओं को छोड़कर किसी तीसरे पक्ष के साथ साझा नहीं किया जाएगा।
  - छात्र किसी भी समय निर्दिष्ट पक्षों के साथ अपनी जानकारी साझा करना बंद कर सकते हैं और डेटा प्रोसेसिंग बंद हो जाएगी। हालाँकि, सहमति वापस लेने पर पहले संसाधित व्यक्तिगत डेटा अप्रभावित रहता है।

भारत-कतर संबंध

संदर्भ: 26 अक्टूबर को, दोहा की एक स्थानीय अदालत ने कथित जासूसी मामले में आठ पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों को मौत की सजा सुनाई, जो पहले दोहा की एक कंपनी में कार्यरत थे।

- **राजनीतिक:**
  - जून 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दोहा की आधिकारिक यात्रा ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया।
  - भारत और कतर के बीच उच्च स्तरीय राजनीतिक आदान-प्रदान बढ़ा है, जिससे सद्भावना को बढ़ावा मिला है।
  - रक्षा और सुरक्षा सहयोग, व्यापार और आर्थिक संबंधों और लोगों से लोगों के बीच संबंधों जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार हो रहा है।
- **भारतीय उपराष्ट्रपति की यात्रा (जून 2022) के दौरान विकास:**
  - दोनों देशों के स्टार्ट-अप इकोसिस्टम को जोड़ने के लिए "भारत-कतर स्टार्ट-अप ब्रिज" का शुभारंभ किया गया।
  - अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) में शामिल होने के लिए कतर को निमंत्रण दिया गया है।
  - भारत और कतर के व्यापार मंडलों के बीच एक संयुक्त व्यापार परिषद की स्थापना की गई।
  - व्यवसायों का मार्गदर्शन करने और अवसरों का पता लगाने के लिए इन्वेस्ट इंडिया और कतर इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी के बीच सहयोग किया जा रहा है।
- **बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग:**
  - अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) और एशियाई संसदीय सभा जैसे बहुपक्षीय मंचों पर भारत और कतर के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।
- **व्यापार और निवेश:**
  - कतर भारत को एलएनजी का एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता है, जो भारत के वैश्विक एलएनजी आयात का 65% से अधिक हिस्सा है।
  - व्यापार संतुलन वर्तमान में कतर के पक्ष में है, 2014-15 में भारत का निर्यात 1 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया।
  - 2020-21 में द्विपक्षीय व्यापार 9.21 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें भारत ने 1.28 बिलियन डॉलर का निर्यात किया और कतर से 7.93 बिलियन डॉलर का आयात किया।
  - कतर से भारत को होने वाले प्रमुख निर्यातों में एलएनजी, एलपीजी, रसायन और पेट्रोकेमिकल शामिल हैं, जबकि भारत कतर को अनाज, तांबे की वस्तुएं, लोहा और इस्पात आदि उत्पादों का निर्यात करता है।
  - भारत की एफडीआई-अनुकूल नीतियां कतर के लिए निवेश के अवसर प्रदान करती हैं, खासकर बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में।
- **सांस्कृतिक और प्रवासी:**
  - भारत और कतर के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंध हैं जो 2012 में सांस्कृतिक सहयोग पर एक समझौते द्वारा और प्रगाढ़ हुए।
  - वर्ष 2019 को भारत-कतर संस्कृति वर्ष के रूप में मनाया गया।
  - अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए कतर के समर्थन की सराहना की जाती है।
- **रक्षा:**
  - भारत-कतर रक्षा सहयोग समझौते पर 2008 में हस्ताक्षर किए गए और 2013 में इसे बढ़ाया गया।
  - कतर ने 'मेक इन इंडिया' पहल के माध्यम से रक्षा उपकरणों के संयुक्त उत्पादन में रुचि दिखाई है।
  - द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में प्रदर्शनियों और नौसैनिक अभ्यासों में भागीदारी शामिल है।
- **स्वास्थ्य:**
  - कतर फंड फॉर डेवलपमेंट (क्यूएफएफडी) ने महामारी के दौरान भारत को कोविड-19 चिकित्सा राहत प्रदान की।
  - कतर में भारतीय समुदाय ने भी भारत में ऑक्सीजन से संबंधित सामग्री भेजकर योगदान दिया।
- **शिक्षा:**
  - कतर सीबीएसई पाठ्यक्रम की पेशकश करने वाले 14 भारतीय स्कूलों की मेजबानी करता है, जो 30,000 से अधिक छात्रों को सेवा प्रदान करते हैं।
- **भारतीय समुदाय:**
  - 700,000 से अधिक भारतीय नागरिक कतर में रहते हैं, जो सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है।
  - वे विभिन्न व्यवसायों में संलग्न हैं और कतर की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।
  - भारतीय समुदाय हितैषी फोरम (ICBF) भारतीय दूतावास के तत्वावधान में संचालित होता है।
  - भारतीय प्रवासी समुदाय से भारत को भेजी जाने वाली धनराशि लगभग 750 मिलियन डालर प्रति वर्ष है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

27 October, 2023

NEWS IN BETWEEN THE LINES

राष्ट्रीय गोकुल मिशन

हाल ही में, राष्ट्रीय गोकुल मिशन ने विशेष रूप से गिर स्वदेशी गाय की नस्ल को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया है।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन के बारे में:

- दिसंबर 2014 से स्वदेशी गोजातीय नस्लों के विकास और संरक्षण के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन का आरंभ किया गया था।
- इसे राष्ट्रीय पशुधन विकास योजना के तहत 2021 से 2026 तक संचालित किया जा रहा है ।
- इसका मुख्य उद्देश्य उन्नत प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके गोजातीय उत्पादकता और दूध उत्पादन को बढ़ाना है।

नोडल मंत्रालय: मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय।

अनामलाई टाइगर रिजर्व

हाल ही में, मुख्य वन्यजीव वार्डन द्वारा नियुक्त एक समिति ने अनामलाई टाइगर रिजर्व (एटीआर) के मुख्य क्षेत्र के भीतर बाड़े का निरीक्षण किया।

अनामलाई टाइगर रिजर्व के बारे में:

- अनामलाई टाइगर रिजर्व तमिलनाडु के पोलाची और कोयंबटूर जिले की अनामलाई पहाड़ियों में 1400 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।
- इसकी सीमा पूर्व में परम्बिकुलम टाइगर रिजर्व, दक्षिण पश्चिम में चिन्नार वन्यजीव अभयारण्य और एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान से लगती है।
- इसे 2007 में टाइगर रिजर्व के रूप में नामित किया गया था।

प्राकृतिक वास:

- इसमें विभिन्न प्रकार के निवास स्थान हैं, जिनमें आर्द्र सदाबहार वन, अर्ध-सदाबहार वन, आर्द्र पर्णपाती वन , शुष्क पर्णपाती वन , सूखे कांटे, शोला वन, पर्वतीय घास के मैदान, सवाना और दलदली घास के मैदान शामिल हैं।
- रिजर्व के भीतर कुछ उल्लेखनीय वन्यजीव प्रजातियाँ बाघ, एशियाई हाथी, सांभर, चित्तीदार हिरण, बार्किंग हिरण, सियार, तेंदुआ, जंगली बिल्ली आदि हैं।

25×25 लक्ष्य

25×25 लक्ष्य5 लक्ष्य क्या है?

"25×25 लक्ष्य" 2013 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित एक वैश्विक स्वास्थ्य लक्ष्य है।

उद्देश्य: इसका मुख्य उद्देश्य 2010 की तुलना में 2025 तक चार गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के लिए समय से पहले मृत्यु दर में 25% की कमी लाना है।

चार प्रमुख एनसीडी: यह लक्ष्य चार प्रमुख गैर-संचारी रोगों, जैसे कैंसर, हृदय रोग (सीवीडी), क्रोनिक श्वसन रोग (सीआरडी) और मधुमेह से संबंधित समय से पहले मृत्यु दर को कम करने पर केंद्रित है।

भारत की प्रगति: भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के एक विश्लेषण के अनुसार, भारत के 25×25 लक्ष्य से चूकने की संभावना है।

अनुमानित कमी: भारत में 2010 से 2025 तक इन चार एनसीडी के कारण समय से पहले मृत्यु दर में 13.9 प्रतिशत की कमी आने का अनुमान है।

ग्रीन हाइड्रोजन

ग्रीन हाइड्रोजन (हरित हाइड्रोजन)

हाल ही में क्लाइमेट रिस्क होराइजन्स (सीआरएच) के एक अध्ययन ने चेतावनी दी है कि यदि उचित नियम और सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो भारत के 'ग्रीन हाइड्रोजन' उत्पादन के प्रयास प्रदूषण को बढ़ा सकते हैं।

ग्रीन हाइड्रोजन के बारे में:

- ग्रीन हाइड्रोजन एक प्रकार की हाइड्रोजन गैस है जो जीवाश्म ईंधन के बजाय पवन या सौर ऊर्जा जैसे ऊर्जा के स्वच्छ और नवीकरणीय स्रोतों का उपयोग करके उत्पादित की जाती है।
- इसे "ग्रीन " इसलिए कहा जाता है क्योंकि जब यह बनता है तो हानिकारक ग्रीनहाउस गैसें नहीं उत्सर्जित करता है।
- ग्रीन हाइड्रोजन का मुख्य उद्देश्य जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा को नवीकरणीय स्रोतों से उत्पादित ग्रीन हाइड्रोजन से प्रतिस्थापित करके वैश्विक उत्सर्जन को कम करना है।
- ग्रीन हाइड्रोजन शून्य ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन करता है, जिससे स्थिरता को बढ़ावा मिलता है।

ग्रीन हाइड्रोजन विकसित करने के कारण:

- ग्रीन हाइड्रोजनन का प्राथमिक लक्ष्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना और जलवायु परिवर्तन का समाधान करना है।
- यह नवीकरणीय स्रोतों से उत्पादित होता है, जो शून्य ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन करता है।
- ग्रीन हाइड्रोजन विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करता है।

अनुप्रयोग:

- ग्रीन हाइड्रोजन जीवाश्म ईंधन-आधारित उर्वरकों की जगह कार्बन-मुक्त हरित अमोनिया का उत्पादन कर सकता है।
- इसका उपयोग अलवणीकरण संयंत्रों को संचालित करने के लिए किया जाता है, जो खारे पानी को ताजे पानी में परिवर्तित करते हैं,जो जिससे ताजे पानी के संसाधनों का संरक्षण होता है।
- यह शून्य उत्सर्जन उत्पन्न करता है और लंबी दूरी की यात्रा के लिए सुविधाजनक है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

27 October, 2023

टीवी-डी2 मिशन

हाल ही में, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र ने अपने आगामी परीक्षणों और मिशनों का खुलासा किया, जिसमें TVD2 मिशन शामिल है

टीवी-डी2 (TV-D2 mission) के बारे में:

- TV-D2 मिशन गगनयान कार्यक्रम के लिए इसरो के परीक्षण वाहन विकास कार्यक्रम का हिस्सा है।
- इसका प्राथमिक उद्देश्य प्रक्षेपण यान से संबंधित विभिन्न प्रारंभिक स्थितियों के तहत उड़ान को रद्द करने (abort) की क्षमता का प्रदर्शन करना है।
- TV-D2 चार नियोजित परीक्षणों की श्रृंखला में दूसरा परीक्षण है।
- TV-D1 के विपरीत, TV-D2 में एक ऑनबोर्ड नियंत्रण प्रणाली है जो अलग होने के बाद क्रू मॉड्यूल के दृष्टिकोण को फिर से व्यवस्थित करने के लिए डिज़ाइन की गई है।
- TV-D2, TV-D1 के समान, GSLV (जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल) के L40 स्ट्रैप-ऑन पर आधारित एक व्यय योग्य संस्करण का उपयोग करता है।

महत्व: सफल टीवी-डी2 मिशन विभिन्न प्रक्षेपण स्थितियों के तहत भी उड़ान को रद्द करने में सक्षम करके चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की इसरो की क्षमता को प्रदर्शित करेगा।

पोलो कीटनाशक

हाल ही में, एक गंभीर मुद्दा सामने आया है जहां स्विस एग्रोकेमिकल कंपनी सिंजेंटा द्वारा उत्पादित 'पोलो' नामक कीटनाशक भारत में गंभीर स्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी चिंताओं का कारण बन रहा है।

पोलो कीटनाशक के बारे में :

- पोलो स्विस एग्रोकेमिकल दिग्गज सिंजेंटा द्वारा निर्मित एक कीटनाशक है।
- पोलो में सक्रिय घटक डायफेंथियुरोन है, जो स्वास्थ्य और पर्यावरण पर हानिकारक प्रभावों के लिए जाना जाता है।
- इसके प्रतिकूल प्रभाव के कारण स्विट्ज़रलैंड और यूरोपीय संघ में डायफेनथियुरोन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।
- स्विट्जरलैंड और यूरोपीय संघ में प्रतिबंधित होने के बावजूद, सिंजेंटा भारत में पोलो का निर्यात और वितरण करती है।
- पोलो कीटनाशक के संपर्क को गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जोड़ा गया है, जिसमें मतली (nausea) दृष्टि दोष और कुछ मामलों में मृत्यु होने की संभावना भी शामिल है।
- इन स्वास्थ्य समस्याओं और मौतों के प्रतिरोध में, स्विट्ज़रलैंड में सिंजेंटा के खिलाफ एक नागरिक मुकदमा दायर किया गया था, जिसमें उत्पाद दायित्व कानूनों के तहत नुकसान की भरपाई की मांग की गई थी।

ऑस्टियोपोरोसिस

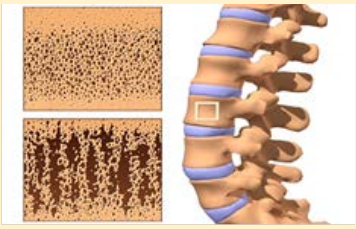

ऑस्टियोपोरोसिस क्या है:

ऑस्टियोपोरोसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें हड्डियों का घनत्व कम हो जाता है और हड्डियों की सूक्ष्म संरचना बदल जाती है, जिससे रोगियों कि नाजुक हड्डी टूटने की संभावना बढ़ जाती है और फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है।

जोखिम कारक: ऑस्टियोपोरोसिस के जोखिम कारकों में उम्र, शरीर का वजन, धूम्रपान, पारिवारिक इतिहास, प्रजाति (श्वेत या एशियाई), प्रारंभिक रजोनिवृत्ति, कम शारीरिक गतिविधि और फ्रैक्चर का व्यक्तिगत इतिहास शामिल हैं।

भारत में व्यापकता: हालांकि इस संदर्भ मे कोई बड़े पैमाने पर अध्ययन मौजूद नहीं है, अनुमानित डेटा से संकेत मिलता है कि कम से कम 46 मिलियन भारतीय महिलाएं रजोनिवृत्ति के बाद ऑस्टियोपोरोसिस के साथ जी रही हैं।

उपचार :

- सभी रोगियों के लिए जीवनशैली में बदलाव, वजन बढ़ाने वाले व्यायाम, धूम्रपान और शराब बंद करने और कैल्शियम और विटामिन डी अनुपूरण की सिफारिश की जाती है।
- बिसफ़ॉस्फ़ोनेट्स और एनाबॉलिक एजेंट जैसी दवाएं जोखिम कारकों, DEXA परिणामों और व्यक्तिगत स्वास्थ्य के आधार पर निर्धारित की जाती हैं।

समाचारों में स्थान

स्लोवाकिया

हाल ही में स्लोवाकिया के प्रधान मंत्री (रॉबर्ट फिको) ने यूक्रेन को सैन्य सहायता निलंबित करने की घोषणा की है।

स्लोवाकिया (राजधानी: ब्रातिस्लावा)

भौगोलिक अवस्थिति : स्लोवाकिया मध्य यूरोप में स्थित भूमि से घिरा देश है।

राजनीतिक सीमाएँ:

स्लोवाकिया की सीमाएँ कई देशों के साथ लगती हैं, जिनमें उत्तर में पोलैंड, पूर्व में यूक्रेन, दक्षिण में हंगरी, पश्चिम में ऑस्ट्रिया और उत्तर पश्चिम में चेक गणराज्य शामिल हैं।

भौगोलिक विशेषताएं :

पर्वत श्रृंखलाएँ: स्लोवाकिया के उत्तरी भाग की विशेषता कार्पेथियन पर्वत हैं।

राष्ट्रीय उद्यान: स्लोवाकिया में कई राष्ट्रीय उद्यान हैं, जिनमें टाट्रा नेशनल पार्क, लो टाट्रास नेशनल पार्क, स्लोवाक पैराडाइज नेशनल पार्क आदि शामिल हैं।

नदियाँ: स्लोवाकिया की कुछ उल्लेखनीय नदियों में वाह, नाइट्रा, ह्रोन (**Váh**, **Nitra**, **Hron**) और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध डेन्यूब नदी शामिल हैं, जो दक्षिणी सीमा पर बहती हैं।

गुफाएँ: देश में यूनेस्को द्वारा नामित गुफाओं में डोबसिना आइस गुफा, डोमिका, गोम्बसेक गुफा, जसोव्स्का गुफा और ओख्तिंस्का एरागोनाइट गुफा शामिल हैं।

POINTS TO PONDER

- अमुंडसेन सागर कहाँ स्थित है? - **पश्चिमी अंटार्कटिका के तट पर**
- 2021 में आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) देशों में नए नागरिकों के लिए कौन सा देश शीर्ष देश के रूप में उभरा? - **भारत**
- एनबीएस योजना के तहत किन पोषक तत्वों पर वार्षिक आधार पर एक निश्चित दर से सब्सिडी मिलती है? - **नाइट्रोजन (एन), फॉस्फेट (पी), पोटाश (के) और सल्फर (एस)**
- राजनयिक संबंधों पर वियना कन्वेंशन (वीसीडीआर) पर कब हस्ताक्षर किए गए थे? - **1961**
- भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास महासंघ (TRIFED) की स्थापना कब हुई थी? - **1987, बहु-राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम के तहत**

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | **LAXMI NAGAR :** 9205212500, 9205962002 | **RAJENDRA NAGAR:** 9205274743 | **UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ:** 0532-2260189, 8853467068 | **LUCKNOW** (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | **LUCKNOW** (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | **GREATER NOIDA:** 9205336037, 38 | **KANPUR:** 7887003962, 7897003962 | **GORAKHPUR** : 7080847474, 9161947474 | **ODISHA BHUBANESWAR:** 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com